एक नजर में

### अल फैज वेलफेयर सोसायटी ने मरीज को भेंट किए केलिपर

**मुलताई।** नगर से सटे ग्राम कामथ के मिरैकल्स फिजियोथैरेपी सेंटर में बीते एक माह से प्रभात पट्टन निवासी समीर नामक मरीज का इलाज चल रहा था। जिसे अल फैज वेलफेयर सोसाइटी द्वारा केलिपर भेंट किए गए, डॉ योगेश पवार नें बताया कि मरीज उनके यहां बीते एक माह से भर्ती है जो पेड़ से गिर गया था जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी फेक्चर हो गई थी। वही मरीज को पैरालिसिस हो गया था,यहाँ इलाज के दौरान अल फैज वेलफेयर सोसाइटी नें एक सरहानीय कार्य करते हुए मरीज को केलिपर भेंट किए गए है,जिससे मरीज एक साल बाद फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो रहा है।यह केलिपर मरीज के लिए बहुत सहायक साबित हो रहे है। अल फैज वेलफेयर सोसाइटी के सैयद मकसूद, वहिद पठान, राजू भाई, सहित अन्य लोगो नें बताया समीर नामक मरीज को केलिपर की जरुरत थी, जिसे संस्था द्वारा उपरोक्त केलिपर वर्धा से बुलाकर भेट किए।

### सोनोरा में विद्यार्थियों को भेट किए स्वेटर

**मुलताई।** क्षेत्र के ग्राम सोनोरा के शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शाला के छात्र छात्राओं को शिक्षिका सुनीता मालवीय ने स्वेटर भेट किए। शिक्षिका श्रीमती मालवीय ने बताया मौसम को देखते हुए स्कूल के बच्चो को स्वेटर भेट करने का सोचा। चुकी गांव में कई बच्चे ठण्ड के दिनों में कई बार बिना गर्म कपड़ो के आते थे, इसलिए उन्होने स्कूल में अध्यन रत सभी 80 बच्चो को हरम कपड़े भेट किए। गर्म कपड़े मिलने पर बच्चे खुशी से झूम उठे।जो बच्चों के लिए दिवाली गिफ्ट है. इस दौरान मारुती राव देशमुख,शिक्षक योगीराज कोसे उपस्थित थे। उन्होंने श्रीमती मालवीय को धन्यवाद दिया।

### किशोरी बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**बैतूल।** एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण सेक्टर बैतूल-2 के अंतर्गत ग्राम कोदारोटी के हाई स्कूल में अंतरराष्ट्रीय किशोरी बालिका दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती तुलसी मोरले ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता तथा गुड टच और बैड टच के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# दीपावली के चलते शहर से रोज निकल रहा करीब 45 टन कचरा

नवभारत न्यूज

**बैतूल, 17 अक्टूबर. शहर से वैसे तो सामान्य दिनों में 30-35 टन के आसपास कचरा निकलता है।**

**कचरा कलेक्ट करने दो-दो बार चक्कर लगा रहे वाहन**

**कई वार्डो में खाली जगहों पर हो रहा कचरा जमा**

जिसे कचरा कलेक्शन गाड़ियों और ट्रेक्टरों के माध्यम से दोपहर तक उठाकर ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचा दिया जाता है, लेकिन दीपावली के कारण शहर से निकलने वाले कचरे की मात्रा बढ़ गई है। हालात यह है कि अभी रोजाना 40-45 टन तक कचरा निकल रहा है। नगरपालिका कर्मचारियों की मानें तो अगले दो से तीन दिन में कचरे की मात्रा 50 टन से अधिक तक पहुंच सकती है। जिसके लिए नगरपालिका ने रणनीति तैयार कर ली है। नपा अधिकारियों की माने तो अभी जिन वार्डो में कचरा अधिक निकल रहा है, वहां कचरा कलेक्शन गाडियों को दो बार भेजा रहा है। इसके अलावा ट्रेक्टर ट्रॉलियों से भी निरंतर कचरा उठाकर ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचाने का कार्य चल रहा है, किन्तु कचरा उठाने के लिए तय समय से ज्यादा काम करने के बाद भी वार्डो से कचरा समय पर नहीं उठ पा रहा है। ऐसे में नगरपालिका कचरा कनेक्शन के लिए गाड़ियों को वार्डो में दो बार पहुंचाने की योजना बना रही है, ताकि प्रतिदिन का कचरा उसी दिन ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचाया जा सके और कचरा भी साफ-सुथरा बना रहे। नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत 33 वार्ड है। इन वार्डो से प्रतिदिन कचरा संग्रहित करने के लिए एक-एक गाड़ियां लगाई गई है, जो डोर-टू-डोर कचरा संग्रहित कर ट्रेचिंग्र ग्राउंड पहुंचाती है। इसके अलावा 4 कचरा गाड़ियां बाजारों से कचरा उठाती है। लेकिन दीपावली पर्व के चलते शहर में कचरा की मात्रा बढ़ती जा रही है।

> यह सहीं बात है कि दीपावली पर्व के चलते शहर से अधिक कचरा निकल रहा है। अतिरिक्त कचरे को ट्रेचिंग ग्राउंड तक पहुंचाने के लिए आवश्यकतानुसार वार्डो में दो बार गाड़ियां भेजी जा रही है। इसके अलावा ट्रेक्टर-ट्रॉली से भी कचरा उठाया जा रहा है।
>
> **- संतोष धनेलिया,** स्वच्छता प्रभारी, नगरपालिका बैतूल

### अभी 33 वार्डो के लिए एक-एक गाड़ी निर्धारित

नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत 33 वार्ड है। इन वार्डो से प्रतिदिन कचरा संग्रहित करने के लिए एक-एक गाड़ियां लगाई गई है, जो डोर-टू-डोर कचरा संग्रहित कर ट्रेचिंग्र ग्राउंड पहुंचाती है। इसके अलावा 4 कचरा गाड़ियां बाजारों से कचरा उठाती है। लेकिन दीपावली पर्व के चलते शहर में कचरा की मात्रा बढ़ती जा रही है। जानकारों की माने तो देर तक काम करने के बाद भी शहर का कचरा पूरा-पूरा कलेक्ट नहीं हो पा रहा है। नगरपालिका के पास कर्मचारियों के अलावा डोर-टू-डोर कचरा उठाने के लिए टिप्पर वाहन और ट्रेक्टर-ट्रॉली है। एक कचरा गाड़ी भी है। लेकिन इसके बाद भी मोहल्लों में लोग खाली जगहों पर कचरे के ढेर लगा रहे है। जिसकी दूसरे-तीसरे दिन सफाई हो पा रही है।

### ओवरलोड गाड़ियों से सड़क पर गिर रहा कचरा

वर्तमान में दीपावली पर्व के चलते शहर में कचरे की मात्रा बढ़ गई है। कचरा कलेक्शन के दौरान कर्मचारी कचरा गाड़ियों के ऊपर तक कचरा भर लेते है और बोरियों सहित काटून में भी कचरा भरकर गाड़ियों के ऊपर रखकर चलते है। जिससे यह कचरा सड़क पर गिर रहा है। लोगों का कहना है कि नगरपालिका गौठाना स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड में कचरा एकत्रित करती है। यहां तक कचरा पहुंचाने के लिए कचरा वाहन और ट्रैक्टर-ट्रॉली शहर की गलियों से होकर गुजरती है। इस दौरान वाहनों से कचरा सडक पर गिरता है। गौठाना रोड पर अक्सर ऐसी स्थिति देखी जा सकती है, जब कचरा, वाहनों से गिरकर सडक पर पड़ा नजर आता है।

# खाद के लिए परेशान किसान, तीन दिनों से लग रही लंबी कतारें

**बैतूल।** जिले में रबी फसल की तैयारी के बीच किसानों को खाद के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय के हमलापुर स्थित एमपी स्टेट एग्रो के बाहर शुक्रवार को भी किसानों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। किसान सुबह से शाम तक लाइन में लगकर भी खाली हाथ लौट रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि वे पिछले तीन दिनों से लगातार आ रहे हैं, लेकिन खाद नहीं मिल पा रही है। किसान जितेंद्र सोलंकी, मोहित डिंडोरे, दीपचंद पारधे और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान समय में गेहूं की बोवनी के लिए यूरिया और डीएपी की सख्त जरूरत है। समय पर खाद नहीं मिलने से फसल बुवाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि विभाग हर साल देर से खाद उपलब्ध कराता है, जिससे उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं समिति प्रबंधक दीनानाथ बेंडे ने बताया कि जिले में एमपी स्टेट एग्रो का यही एकमात्र कैश काउंटर है, इसलिए सभी ब्लॉकों के किसान यहां खाद लेने आते हैं। उन्होंने कहा कि समिति को रैक लगने पर करीब 5 प्रतिशत यानी लगभग 2 हजार बैग खाद मिलती है, जिससे सभी किसानों को एक साथ खाद उपलब्ध कराना संभव नहीं होता। बेंडे ने बताया कि खाद पर्याप्त मात्रा में है और किसानों को क्रमवार नंबर के आधार पर वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रति एकड़ दो बोरी यूरिया, एक बोरी डीएपी और एक बोरी एसएसपी की जरूरत होती है, और प्राथमिकता उन्हीं किसानों को दी जा रही है जिन्हें अभी तत्काल आवश्यकता है। फिलहाल, खाद वितरण की धीमी रफ्तार और बढ़ती भीड़ से किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पर्याप्त खाद की व्यवस्था की जाए ताकि रबी सीजन की बुवाई प्रभावित न हो।